
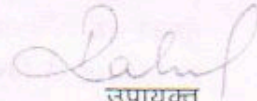


इस प्रकार स्पष्ट है कि विषयगत मकान पर अपीलकर्ता किरायेदार है जिसे सिविल जज सं० III दुमका द्वारा टाईटल (उच्छेदी) वाद अपील सं० 02/1999 में पारित आदेश द्वारा उच्छेदित किया गया है। तत्पश्चात प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश, दुमका के टाईटल (उच्छेदी) वाद अपील सं० 05/2009 में पारित आदेश द्वारा सिविल जज सं० III दुमका के टाईटल (उच्छेदी) वाद सं० 02/1999 में पारित आदेश को बरकरार रखा गया है। इसी आधार पर विषयगत मकान की मरम्मत हेतु अपीलकर्ता द्वारा दिया गया आवेदन को निम्न न्यायालय द्वारा निरस्त किया गया है, जो सही प्रतीत होता है। अतः निम्न न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए अपील आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है।

53/2012-29/3/12

लेखापित एवं संशोधित ।


उपायुक्त
दुमका।


उपायुक्त
दुमका।

उपायुक्त का न्यायालय, दुमका

एच.आर.सी.ए. वाद सं०- 01/2016-17

अशोक रजक अपीलकर्ता
बनाम
द्वारिका प्रसाद साह एवं अन्य उत्तरकारी

॥ आदेश ॥

28/02/2017

यह एच.आर.सी.ए. वाद सं०- 01/2016-17 अशोक रजक, पे० स्व० लूटन रजक बनाम द्वारिका प्रसाद साह एवं अन्य, प्रताप साह लेन (सन साईन गली), मेन रोड, दुमका बजार के बीच अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के एच०आर०सी० वाद सं० 7/15 में पारित आदेश दिनांक 27.10.2016 के विरुद्ध दायर किया गया है।

मैंने उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ता को सुना तथा अभिलेख में उपलब्ध कागजातों का अवलोकन किया।

अभिलेख के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि अपीलकर्ता के पिता लूटन रजक दुमका नगरपालिका के अन्तर्गत प्रताप साह लेन (सन साईन गली) वार्ड नं० 14 (पुराना वार्ड नं० 10) होल्डिंग सं० 63 मुख्य बाजार दुमका में अवस्थित मकान के नीचले तल्ले में कमरा (12'x7'-10") एवं अन्य कमरा, बरामदा, रसोईघर एवं शौचालय है जो वर्ष 1957 से किरायेदार है जिसमें एवं धोबी घर संचालित है। अपीलकर्ता के पिता के मृत्यु के पश्चात अपीलकर्ता द्वारा उक्त धोबी घर को संचालित किया जा रहा है जिसका नाम सन साईन लॉण्ड्री है। उक्त धोबी घर के मुख्य दरवाजे के नीचे का फ्रेम बरसात के पानी से क्षतिग्रस्त हो गया है जिसे बदलने/मरम्मत करने की आवश्यकता है। अपीलकर्ता द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त हिस्से को बदलने/मरम्मत करना चाहते हैं किन्तु उत्तरकारी सं० 01 द्वारा ऐसे करने से रोका जा रहा है। इस पर अपीलकर्ता द्वारा क्षतिग्रस्त दरवाजे के नीचे का फ्रेम की मरम्मत करने का आदेश निर्गत हेतु निम्न न्यायालय में आवेदन दाखिल किया गया किन्तु न्यायालय द्वारा उनके आवेदन को यह कहकर निरस्त करते हुए वाद की कार्रवाई समाप्त किया गया कि अपीलकर्ता को वरीय सिविल जज सं० III दुमका के टाईटल (उच्छेदी) वाद अपील सं० 02/1999 एवं इस आदेश के विरुद्ध में दायर प्रधान जिला न्यायाधीश, दुमका के टाईटल (उच्छेदी) वाद सं० 05/2009 में पारित आदेश द्वारा उच्छेद किया गया है।

उत्तरकारी सं० 02 की ओर से इस वाद में आवेदन दाखिल कर कहा गया है कि प्रश्नगत मकान की मरम्मत हेतु उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। अतः मकान की मरम्मत हेतु आदेश निर्गत किया जा सकता है।